बिहार सरकार
निर्वाचन विभाग
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार का कार्यालय
7, सरदार पटेल मार्ग (मैंगल्स रोड), पटना–800015.

फोन नं0 :– 0612–2217956
फैक्स नं0 :– 0612–2215611
ई–मेल :– ceo_bihar@eci.gov.in

प्रेस विज्ञप्ति 01–06–2024

बिहार में लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 सात चरणों में शान्तिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस बार लोकसभा चुनाव में कई तरह के नवाचारों के साथ कई नये प्रयासों को क्रियान्वित किया गया, इस निर्वाचन से संबंधित कुछ विशिष्ट तथ्यों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है।

महिला मतदाताओं की भागीदारी

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में बिहार में महिला मतदाताओं ने बढ़–चढ़ कर मतदान किया है। महिलाओं की भागीदारी लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक प्रतीक है। लोकसभा आम निर्वाचन में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि के विशेष मायने है। जब महिलाएं इस चुनाव प्रक्रिया में अधिक सक्रिय रूप से शामिल होती हैं, तो यह लोकतंत्र के संरक्षण और विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत भी है। हमें ये बताते हुए हर्ष हो रहा है कि 2024 के इस लोकसभा आम निर्वाचन में पुरूष मतदाताओं की अपेक्षा महिला मतदाताओं की संख्या अधिक रही है। 2019 लोकसभा आम निर्वाचन में बिहार में कुल 57.33 प्रतिशत मतदान हुआ था। जिसमें 55.12 प्रतिशत पुरूष मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया था, जबकि 59.59 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया था। वहीं बात 2024 लोकसभा आम निर्वाचन की करें तो एक से लेकर छठे चरण तक के आकड़ों के अनुसार बिहार में अब तक कुल 56.96 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिसमें 53.06 प्रतिशत पुरूष मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया है, जबकि छठे चरण तक के आकड़ों के अनुसार 61.23 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया है। ऐसे में ये साफ है कि 2019 की ही तरह 2024 में भी

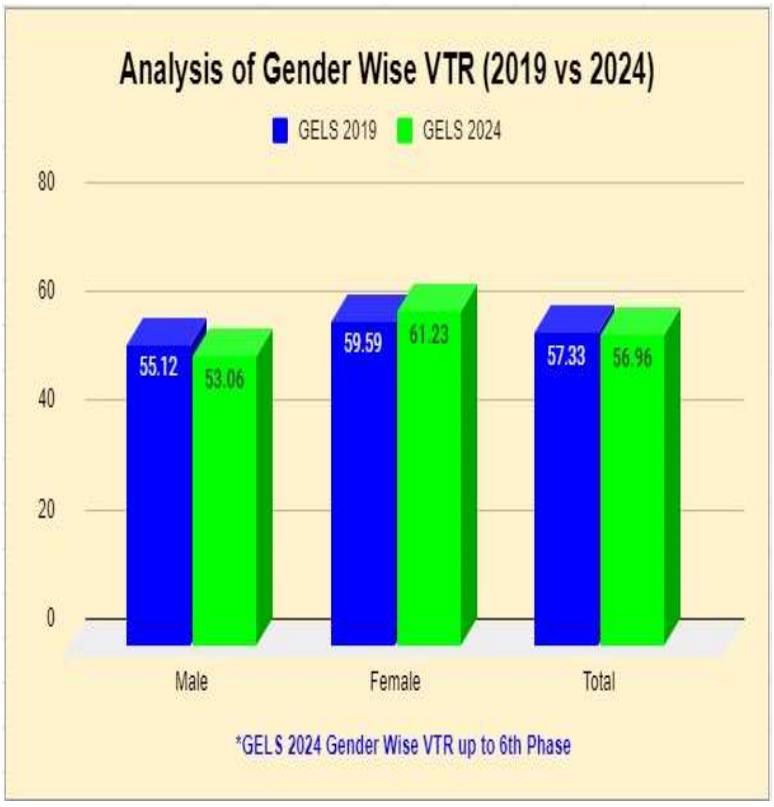

मत का प्रयोग करने में पुरूषों की अपेक्षा महिला मतदाताओं की संख्या ज्यादा रही है। इस चुनाव में पर्याप्त संख्या में महिलाओं का मतदान करना और उनकी सक्रिय भागीदारी लोकतंत्र के लिए एक प्रेरणास्पद और उत्साहजनक बात है।

निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों की संख्या में गिरावट– लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों की संख्या में गिरावट देखने को मिली है। यह गिरावट पुरुष उम्मीदवारों के साथ महिला उम्मीदवारों की संख्या में भी परिलक्षित हुई है। जिसका विवरण निम्नवत है।

Analysis of Female Contesting Candidates 2019 V/S 2024				
	2019	Female 2019 %	2024	Female 2024 %
MALE	570	8.95%	458	7.85%
FEMALE	56		39	
THIRD GENDER	0		0	
TOTAL	626		497	

Candidates with Criminal Antecedent – लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में कुल उम्मीदवारों में से **Criminal Antecedent** वाले उम्मीदवारों की संख्या 114 रही जो कि 22.93 प्रतिशत होता है। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2020 में कुल उम्मीदवारों की संख्या 3733 थी जिनमें 1197 उम्मीदवारों के **Criminal Antecedent** रहे जो कि 32.06 प्रतिशत होता है। इस प्रकार से **Criminal Antecedent** के मामलों में 09.13 प्रतिशत अंको की गिरावट है।

बिहार में होम वोटिंग

बिहार में 2024 के लोकसभा आम निर्वाचन के दौरान होम वोटिंग की सुविधा 85+ आयु के मतदाताओं के साथ–साथ PwD मतदाताओं को दी गई। जो भी मतदाता होम वोटिंग का लाभ लेना चाहते थे ,वे प्रपत्र 12D भरकर निर्वाची पदाधिकारी को उपलब्ध कराना था। ऐसा वे अपने बूथ के बीएलओ से संपर्क करके अथवा स्वयं निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय से संपर्क करके कर सकते थे। इस लोकसभा निर्वाचन में कुल 7902 मतदाताओं ने होम वोटिंग के माध्यम से मतदान किया जिसमें जिसमें 85+ आयु के मतदाताओं की संख्या 4679 थी, जबकि PwD मतदाताओं की संख्या 3223 रही।

मतदान केन्द्रों के प्रकार– इस बार लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में बिहार में महिलाओं द्वारा संचालित मतदान केन्द्र, दिव्यांगों द्वारा संचालित मतदान केन्द्र, आदर्श मतदान केन्द्र और युवाओं के द्वारा संचालित मतदान केन्द्र बनाए गए थे जिसका विवरण निम्नलिखित रहाः–

No. of Pwd / Women /Youth Managed PS & Model PS			
No. of PwD Managed Booth	No. of Women Managed Booth	No. of Youth Managed Booth	No. of Model Booth
230	352	150	359

सी–विजिल ऐप

सी–विजिल ऐप के माध्यम से मतदाताओं को किसी भी आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की सूचना प्रशासन को देने में आम मतदाताओं व भागीदारों को सुविधा हुई है। इस ऐप में दर्ज शिकायतों के संबंध में संबंधित निर्वाची अधिकारी द्वारा 100 मिनट के भीतर प्राप्त शिकायत पर कार्रवाई की जाती है। सी–विजिल के तहत आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित शिकायतों का ब्यौरा निम्नवत रहा।

C-Vigil Complaints			
GELS (Year)	Total Complaints	Complaints Dropped & Disposed	Complaints Resolved Within 100 mins
2024	684	675	95

गश्तीदल दण्डाधिकारी के बिना मतदान कराया

बिहार में यह प्रथम बार था कि बिना PCCP यानी पोलिंग कम कलेक्टिंग पार्टी के किसी आम चुनाव में मतदान संपन्न कराया गया है। इसके तहत पोलिंग पार्टी एवं उनसे सम्बद्ध पुलिस बलों सामान्य मतदान सामग्री एवं ई०वी०एम०/वी०वी०पैट उपलब्ध करायी गई। सभी पोलिंग पार्टी को संबंधित मतदान केन्द्र पर पहुँचाने के लिए वाहनों का प्रबंधन किया गया। मतदान समाप्ति के पश्चात् ई०वी०एम०/वी०वी०पैट का सुरक्षित बजगृह तक पहुँचाया गया। बजगृह स्थल पर पोल्ड ई०वी०एम०/वी०वी०पैट संग्रहण किया गया। गश्तीदल दण्डाधिकारी की अनुपस्थिति में सभी मतदान केन्द्रों पर शांतिपूर्ण मतदान कराया गया। पोलिंग कम कलेक्टिंग पार्टी के बिना आम चुनाव में मतदान संपन्न कराने से मतदान कार्मिकों की संख्या में कमी आई जिसने निर्वाचन प्रबंधन को सुगम व सरल बनाया, इसकी वजह से इन चुनावों में लगभग 26 हजार गश्तीदल दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की आवश्यकता नहीं पड़ी है जिन्हें आवश्यकतानुसार अन्य निर्वाचन कार्यो में संलग्न किया जा सका है। इसके अलावा इस नवाचार से निर्वाचन प्रबंधन में लागत, वाहन अधिग्रहण, मुआवजा तथा ईधन की खपत एवं कार्मिकों के मानदेय भुगतान में होने वाले एक वृहद व्यय से बचा जा सका है।

वोट बहिष्कार के आकड़ों में आई कमी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार का कार्यालय लगातार वोटरों को मतदान हेतु जागरूक करने का काम करता रहता है। इस लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में लोकतंत्र के मूल्यों और इसके महत्व को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। इसके लिए सामाजिक स्तर पर कई कार्यक्रम चलाए गए। मीडिया, सोशल मीडिया और जनहित के गैर–सरकारी संगठनों आदि के प्रयासों ने लोगों को लोकतंत्र के महत्व को समझाया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार के कार्यालय के द्वारा चलाए गए मतदाता जागरूकता अभियानों ने भी अहम भूमिका निभाई है। आपको बताते हुए खुशी हो रही है कि 2019 के लोकसभा आम चुनाव में बिहार में 75 मतदान केन्द्रों पर लोगों ने वोट का बहिष्कार किया था, वहीं प्रशासन के सकारात्मक प्रयासों से 2024 लोकसभा में निर्वाचन में वोट बहिष्कार का आकड़ा घटा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में 32 मतदान केन्द्रों पर ही लोगों ने वोट बहिष्कार किया। पिछले चुनाव 2019 में जहां 75 मतदान केन्द्रों पर लोगों ने वोट का बहिष्कार किया

था वहीं 2024 में 32 मतदान केन्द्रों पर ही लोगों ने वोट बहिष्कार किया। यह वोट बहिष्कार का घटता आकड़ा ये दिखाता है कि चुनाव प्रक्रिया में मतदाताओं ने अपने कर्तव्यों का पालन किया है। लेकिन हमारा मानना है कि लोकतंत्र में हर एक वोच किमती है और इस समय पर हम इस सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए और सकारात्मत काम करेंगे, जिससे इन आकड़ों में और कमी आए।

बिहार में लोकसभा चुनाव 2024 में वेबकास्टिंग से निगरानी

बिहार में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में वेबकास्टिंग के जरिए निगरानी रखी गई। यह तकनीकी उन्नति न केवल चुनाव प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाती है, बल्कि लोकतंत्र के मूल्यों को भी मजबूत करता है। बिहार में लोकसभा चुनाव को सुविधापूर्ण, सुरक्षित, सुगम और पारदर्शी बनाने के लिए वेबकास्टिंग का प्रयोग किया गया। 2019 लोकसभा आम निर्वाचन में जहां बिहार में 1354 मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी जो कि उस समय कुल मतदान केन्द्रों का 1.86 प्रतिशत थी। वहीं 2024 में लोकसभा आम निर्वाचन में 39789 मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी जो कि कुल मतदान केन्द्रों का 51.37 प्रतिशत रही।

No. of PS with Live Webcasting			
Year	Total PS	Webcasting PS	Percentage
2019	72723	**1354**	1.86
2024	77462	**39789**	51.37

प्रेक्षकों के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया की निगरानी

निर्वाचन प्रक्रिया की निगरानी हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में 01 विशेष सामान्य प्रेक्षक एवं 01 विशेष पुलिस प्रेक्षक के साथ निम्नलिखित सारणी में उल्लेखित संख्या में चरणवार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक एवं व्यय प्रेक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई थी।

Details of Observers for GELS 2024				
S.No.	Phase	No. of General Observers	No. of Police Observers	No. of Expenditure Observers
1	1	4	2	4
2	2	5	3	6
3	3	5	3	6
4	4	5	3	5
5	5	5	3	6
6	6	8	5	10
7	7	8	5	8
		Total = 40	**Total = 24**	**Total = 45**

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के लिए वाहनों के मुआवजे में हुई 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी–निर्वाचन कार्य में प्रयुक्त होने वाले विविध प्रकार के वाहनों जैसे 50 से अधिक बैठक क्षमता वाली बस,मिनी बस, छोटी कार, बोलेरो, सुमो, मार्शल, स्कॉर्पियो, ऑटो रिक्शा, मध्य माल वाहक, मिनी ट्रक, हल्का माल वाहन की मुआवजा दर में उनकी बढ़ती हुई उपयोगिता एवं मुद्रास्थिति(महंगाई) की बढ़ी हुई दरों के आलोक में 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई थी, इसका सीधा फायदा वाहन अधिग्रहण के मुआवजे के समय वाहन मालिक को हुआ।

वाहनों का रेट					
क्र0	वाहनों का प्रकार	वर्ष 2014 (रु0 में)	वर्ष 2019 (रु0 में)	वृद्धि % में	2024 लोकसभा चुनाव हेतु संभावित दर (रु0 में)
1	बस (50 से अधिक बैठक क्षमता)	2200	2850	29.54%	3500
2	बस (40 से 49 सीट)	2000	2600	30%	3200
3	मिनी (बस 23 से 39 सीट)	1500	1950	30%	2500
4	मैक्सी / सिटी राइड / विंगर / टेम्पो / ट्रैवलर एवं समकक्षीय वाहन (14 से 22 सीट)	1200	1500	25%	2000
5	छोटी कार (सामान्य)	650	800	23%	1000
6	छोटी कार (वातानुकूलित)	750	900	20%	1100
7	ट्रेकर / जीप / कमांडर / जिप्सी एवं समकक्षीय वाहन	650	900	38%	1000
8	बोलेरो / सुमो / मार्शल (सामान्य)	700	1000	42%	1200
9	जाइलो / बोलेरो / सुमो / मार्शल (वातानुकूलित)	800	1200	50%	1500
10	स्कॉरपियो / क्वालीस / टवेरा (वातानुकूलित)	1200	1600	33.33%	1900
	इनोवा / सफारी (वातानुकूलित)		1800	33.33%	2100
11	विक्रम / मैजिक / एस मैजिक / मिनीडोर / ओमनी फोर्स / मेटाडोर एवं समकक्षीय वाहन	550	750	36%	900
12	आटो रिक्शा / ई–रिक्शा / Ecart (without Fuel)	400	500	25%	700
13	मोटर साइकिल	200	250	25%	350
14	भारी मालवाहक				
	(क) सकलयान भार–12000–162000 किग्रा0 (छः चक्का)	1500	1950	30%	2500
	(ख) राकलयान भार–16201–25000 (दस चक्का / ट्रम्बर)	1900	2470	30%	3000
	(ग) समलयान भार–25001 किग्रा0 एवं उससे अधिक (दस चक्का से अधिक)	2000	2600	30%	3200
15	मध्यम मालवाहक / मिनी ट्रक सकलयान–(7501–11999 किग्रा0)	1100	1300	18%	1700
16	हल्का मालवाहक				
	(क) सकलयान भार 3000 किग्रा0 तक	550	715	30%	1000
	(ख) सकलयान भार 3001–7500 किग्रा0 डिलीवरी भान / समकक्षीय	900	1100	22%	1400
17	ट्रेक्टर / टेलर	650	800	23%	1000

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के लिए मतदान कार्मिकों के मानदेय में हुई कम से कम 34 प्रतिशत तक बढ़ोतरी– मतदान कार्मिक कल्याण हेतु लोक सभा आम निर्वाचन, 2024 में मतदान कार्मिकों का बढ़ा हुआ मानदेय दिया गया। लोकसभा आम निर्वाचन 2019 की तुलना में विभिन्न कैटेगरी के मतदान कर्मियों के मानदेय में 34 से 75 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी की गई है। इसके साथ निर्वाचन कार्यो में संलग्न कार्मिकों के कल्याण के लिए आपात स्थिति में अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा भी सभी मतदान कार्मिकों के लिए प्रदान की गई है।

सुविधा पोर्टल

सुविधा पोर्टल के माध्यम से सभी उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को प्रचार अवधि के दौरान विभिन्न प्रकार की अनुमति प्रदान करने में सुविधा हुई। लाउड स्पीकर, हेलीपैड सेवाओं, वाहन आवश्यकताओं आदि के लिए अनुमति संबंधित प्राधिकरण को ऑनलाइन दिया गया। फर्स्ट इन फर्स्ट आउट (एफ. आई. एफ. ओ.) के सिद्धांत पर आवंटन सुनिश्चित किया गया। सुविधा पोर्टल पर विभिन्न अनुमतियों की प्राप्ति से संबंधित आंकड़ा निम्नवत रहा है। इसमें कुल 13512 आवेदन अनुमति प्राप्त हुए, जिनमें 12731 आवेदनों पर अनुमति प्रदान की गई तथा 662 आवेदनों को विभिन्न तकनीकी एवं नियमानुसार सही नहीं पाया गया। ऐसे आवेदन जो अपूर्ण या एक से अधिक बार इंट्री किये गये, उन्हें जांचोपरांत आवेदनकर्त्ता अथवा प्रशासनिक स्तर पर कैसिंल कर दिया गया।

पीडब्लूडी मतदाताओं की भागीदारी– PwD मतदाताओं की सहज एवं सुगम सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु आश्वस्त न्यूनतम सुविधाएँ (AMF) जैसे रैंप, व्हीलचेयर, स्वयंसेवक, PwD तथा 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक आने–जाने की वाहन सुविधा, पीने का पानी, बिजली, पोस्टल बैलेट के माध्यम से होम वोटिंग की सुविधा दी जा रही है। विविध जिलों से प्राप्त प्रारंभिक आँकड़ों के हिसाब से राज्य भर में 21,200 व्हीलचेयर को विभिन्न जिलों में मतदान के दिन प्रयोग किये जाने हेतु उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही राज्य के 77392 मतदान केन्द्रों में PwD तथा बुजुर्ग मतदाताओं की सहायता हेतु नेहरु युवा केन्द्र, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा एनसीसी के 18 वर्ष से कम आयु के 16,368 स्वयंसेवकों का प्रारंभिक आँकड़ा विविध जिलों से मुख्यालय को प्राप्त हुआ है। PwD/वृद्ध/अशक्त मतदाताओं की सहायता हेतु मतदान केन्द्रों पर वॉलन्टियर/स्वयं सेवकों की सुविधा उपलब्ध कराया जाता है।

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के लिए किये गए डिजिटल तकनीकी नवाचार

लोकसभा आम चुनाव 2024 में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रोद्वयोगिकी का उपयोग कर मतदाताओं तक सुविधा पहुँचाने का सक्रिय प्रयास किया गया। मतदाताओं की संख्या बढ़ाने और पूरी चुनावी प्रणाली में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग किया गया। इसके लिए मतदाता पंजीकरण, मतदाता पहचान पत्र, ईपिक में सुधार, ई–ईपिक डाउनलोड करना, विधानसभा/संसदीय निर्वाचन क्षेत्र, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, मतदान केंद्र, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के बारे में जानकारी, मतदान प्रतिशत और चुनाव परिणाम जैसे अन्य संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए वोटर हेल्पलाइन ऐप **वोटर हेल्पलाइन ऐप।** दिव्यांग नागरिकों को पंजीकरण, आश्वस्त न्यूनतम सुविधाओं, व्हीलचेयर तथा आवश्यकता पड़ने पर मतदान केन्द्र तक जाने के लिए वाहन की सुविधा प्रदान करने हेतु **सक्षम ऐप** को प्रचारित–प्रसारित किया गया था। उम्मीदवारों के बारे

में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने एवं उनके शपथ पत्रों को देखने के लिए **केवाईसी ऐप,** मतदान प्रतिशत को रियल टाइम में जानने के लिए **वीटीआर ऐप** उपलब्ध थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार के कार्यालय द्वारा इन सभी ऐप के बारे में प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया के माध्यम से सभी नागरिकों और मतदाताओं तक इनका सक्रिय रुप से प्रचार–प्रसार किया गया।

अपराधियों को पकड़ने के लिए बहु–एजेंसी समन्वित प्रयास– भारत निर्वाचन आयोग ने प्रलोभन मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रहा और इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए व्यापक निगरानी की प्रक्रिया चुनाव की घोषणा से महीनों पहले शुरू की गई थी। निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव व्यय की निगरानी के लिए 20 से अधिक एनफोर्समेंट एजेंसियों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने के साथ सख्त निगरानी के लिए राज्य में व्यय प्रेक्षकों को तैनात की गई थी।

आयोग ने जाली मुद्रा, अवैध हथियारों, मुफ्त उपहारों, शराब और काले धन के खतरे पर अंकुश लगाने के लिए अंतरराज्यीय सीमा, अंतर्राष्ट्रीय सीमा, हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों और हेलीपैड पर कड़ी सतर्कता बरतने एवं सभी एजेंसी के साथ समन्वय करते हुए शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के विरुद्ध कार्य करने वाले कारकों के खिलाफ जीरो टोलेरेंस की नीति पर बल दिया गया था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने एजेंसियों को निर्देश दिया था कि वे पृथक रूप से नहीं बल्कि एकजुट होकर काम करें और अंतर–एजेंसी संचार करते हुए आवश्कयता पड़ने पर संयुक्त कार्यवाही करें, इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं और अंतर–राज्यीय सीमाओं पर इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट को संचालित करते हुए 24/7 निगरानी सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया था। इस संबंध में विभिन्न जांच एंजेसियों के स्तर से संपन्न जब्ती का समेकित ब्यौरा निम्नवत रहा है।

	Liquor		Drugs/Narcotics		Precious Metals		Freebies/ Other		Progressive Seizure Total (in Lakh)
Cash (Rs. In Lakh)	Quantity (in Litre)	Monetary Value (in Lakh)	Quantity (in Gms)	Monetary Value (in Lakh)	Quantity (in Gms)	Monetary Value (in Lakh)	Name & Quantity of items seized	Monetary Value (in Lakh)	
1486.91994	1659210.4	4687.6929	9719744.74	4229.18723	81188.72	1170.10306	19595681.41	9271.49277	20845.3959

फेक न्यूज व अफवाहों पर कसी गई नकेल– लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया का सहारा लेकर अपने नये नवाचारों से मतदाताओं को जोड़ने के लिए बड़े स्तर पर मतदाता जागरुकता पर आधारित स्वीप गतिविधियों को चलाया और दूसरी ओर फेक न्यूज और अफवाहों पर नियंत्रण के लिए अपनी एक टीम बनाई। चुनावों के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने वाली फेक न्यूज और अफवाह एक बड़ी समस्या थी। भ्रामक जानकारी को रोकने के लिए, निर्वाचन विभाग ने एक सोशल मीडिया सेल को गठित किया, जिसने सर्च इंजन आप्टेमाइजेशन तकनीक का प्रयोग करके भ्रामक खबरों और अफवाहों पर नजर रखी। इसके लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से भी मदद ली गई और वहां से सोशल मीडिया एक्सपर्ट कर्मियों को प्रतिनियुक्त किया गया। इस टीम का काम चुनाव प्रक्रिया के दौरान फेक न्यूज की पहचान करना और उसकी रिपोर्ट करना था। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर भी नजर रखी गई और वहां फैलाई गई कई गलत जानकारी को रोका गया।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में सभी जिलों में मीडिया मॉनिटरिंग सेल का भी गठन किया गया, जो चुनावों के दौरान फेक न्यूज तथा अफवाहों से निपटने में जिला निर्वाचन पदाधिकारी के नियंत्रण में क्विक रिस्पांस टीम की तरह कार्य कर रहे थे। सभी जिलों की इस टीम को मुख्यालय स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया था और सोशल मीडिया की बारीकियों से अवगत कराया गया था। जिला स्तर पर इस टीम में मीडिया नोडल पदाधिकारी के तौर पर जनसंपर्क विभाग के पदाधिकारी, एनआईसी, आईटी प्रबंधक, पुलिस अधिकारी व सहायक निर्वाची पदाधिकारियों को सम्मिलित किया गया था।

बिहार राज्य में लोकसभा आम निर्वाचन, 2024–मतदान शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ। जिसका प्रथम चरण से षष्टम चरण का मतदान प्रतिशत के आँकड़े निम्नवत हैं।

1. मतदान प्रतिशत–प्रथम चरण

क्र०	लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र (संख्या एवं नाम)	पुरूष	महिला	अन्य	कुल मतदान प्रतिशत
1.	37–औरंगाबाद	51.22	49.41	5.88	50.35
2.	38–गया (अ०जा०)	53.89	51.55	15.00	52.76
3.	39–नवादा	43.70	42.61	2.67	43.17
4.	40–जमुई (अ०जा०)	50.11	52.50	1.96	51.25
कुल		**49.59**	**48.90**	**3.92**	**49.26**

2. मतदान प्रतिशत–द्वितीय चरण

क्र०	लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र (संख्या एवं नाम)	पुरूष	महिला	अन्य	कुल मतदान प्रतिशत
1.	10–किशनगंज	58.89	67.06	1.52	62.84
2.	11–कटिहार	58.87	69.07	0	63.76
3.	12–पूर्णियाँ	60.44	65.89	1.37	63.08
4.	26–भागलपुर	53.11	53.93	3.67	53.50
5.	27–बाँका	51.05	58.31	0	54.48

कुल	**56.41**	**62.73**	**1.96**	**59.45**

3. मतदान प्रतिशत–तृतीय चरण

क्र०	लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र (संख्या एवं नाम)	पुरूष	महिला	अन्य	कुल मतदान प्रतिशत
1.	7–झंझारपुर	48.16	61.38	5.62	54.48
2.	8–सुपौल	57.02	70.55	4.88	63.55
3.	9–अररिया	56.97	67.32	6.38	61.93
4.	13–मधेपुरा	53.54	63.42	6.00	58.29
5.	25–खगड़िया	52.18	63.39	6.25	57.52
कुल		**53.57**	**65.20**	**5.90**	**59.15**

4. मतदान प्रतिशत–चतुर्थ चरण

क्र०	लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र (संख्या एवं नाम)	पुरूष	महिला	अन्य	कुल मतदान प्रतिशत
1.	14–दरभंगा	52.41	62.87	0	57.37
2.	22–उजियारपुर	54.72	65.01	15.00	59.59
3.	23–समस्तीपुर (अ०जा०)	55.12	65.65	17.86	60.11
4.	24–बेगूसराय	54.34	63.53	15.25	58.70
5.	28–मुंगेर	55.22	55.93	13.46	55.55
कुल		**54.39**	**62.47**	**12.44**	**58.21**

5. मतदान प्रतिशत–पंचम चरण

क्र०	लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र (संख्या एवं नाम)	पुरूष	महिला	अन्य	कुल मतदान प्रतिशत
1.	5–सीतामढ़ी	50.47	62.62	6.67	56.21
2.	6–मधुबनी	46.66	60.08	4.40	53.04
3.	15–मुजफ्फरपुर	55.86	63.49	3.70	59.47
4.	20–सारण	53.59	60.20	11.11	56.73
5.	21–हाजीपुर (अ०जा०)	55.67	61.48	8.45	58.43
कुल		**52.42**	**61.58**	**6.00**	**56.76**

6.मतदान प्रतिशत–षष्ठम चरण

क्र०	लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र (संख्या एवं नाम)	पुरूष	महिला	अन्य	कुल मतदान प्रतिशत
1.	1–वाल्मीकिनगर	55.03	65.99	9.72	60.19
2.	2–पश्चिम चम्पारण	57.21	66.67	9.38	61.62
3.	3–पूर्वी चम्पारण	55.02	64.82	23.81	59.68
4.	4–शिवहर	51.79	63.68	3.17	57.40
5.	16–वैशाली	57.20	68.63	4.35	62.59
6.	17–गोपालगंज (अ०जा०)	46.40	58.44	6.25	52.32
7.	18–सिवान	47.08	58.37	5.45	52.49
8.	19–महाराजगंज	46.68	58.36	0	52.27
कुल		**51.95**	**62.95**	**7.24**	**57.18**

मतदाता जागरूकता अभियान– लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए पर्सनल (व्यक्तिगत) कम्युनिकेशन के आधार पर प्रत्येक मतदाता से संपर्क किया गया। इसके लिए सुनिश्चित प्रभावी संचार रणनीति को अपनाते हुए डोर–टू–डोर/ हर घर दस्तक नीति के आधार पर मतदाताओं से संपर्क किया गया। इसके अलावा जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों–चौक और चौराहे पर हीट वेव तथा मतदान के दिन हीट वेव से बचाने वाली व्यवस्थाओं की सूचनाओं पर आधारित विज्ञापन, सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं पर आधारित विज्ञापन, मतदाता हेल्पलाइन 1950 की जानकारी और 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता, PwD मतदाता और गर्भवती महिला मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया।

इसके लिए जिला स्तर पर जीविका दीदी, आंगनबाड़ी कर्मी, स्थानीय चौकीदार, टोला सेवक, तालमी मरकज, किसान सलाहकार, आवास सहायक, आशा दीदी, बीएलओ एवं अन्य स्थानीय कर्मियों को दैनिक स्तर पर मतदाताओं से संपर्क करने हेतु प्रभावी रूप से जिम्मेदारी दी गई थी। उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने में प्रभावी भूमिका अदा करने वाले स्थानीय कर्मियों तथा पदाधिकारी को ₹3000, ₹2000, और ₹1000 के आर्थिक प्रोत्साहन के साथ ही अन्य 10 लोगों के लिए ₹500 का आर्थिक प्रोत्साहन देने की भी घोषणा की गई है। उक्त चयन जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–जिला पदाधिकारी के स्तर से किया जाना है। इसमें केवल वे कर्मी ही अहर्ता रख पाएंगे जिन्होंने अपने मतदान केंद्र अथवा क्षेत्राधिकार में 10 से अधिक की बढ़ोतरी न्यूनतम रूप में सुनिश्चित की हो।

मतदान केन्द्रों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं– लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में राज्य में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सभी मतदान केन्द्रों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। इसके तहत गर्मी से बचाव हेतु छायादार जगह, पीने का पानी, बैठने की व्यवस्था, बिजली, व्हीलचेयर, स्वयंसेवक, मेडिकल किट, शौचालय इत्यादि उपलब्ध कराए गए। इसके साथ ही स्थानीय प्रशासन के द्वारा 85+ आयु के मतदाताओं, PwD मतदाताओं और गर्भवती महिलाओं को मतदान केन्द्रों तक आने जाने के लिए निःशुल्क वाहन की सुविधा का प्रबंध किया गया।

मतदाताओं के द्वारा स्थानीय बीएलओ या मतदाता हेल्पलाइन नम्बर 1950 पर संपर्क अथवा सक्षम ऐप के माध्याम से निःशुल्क वाहन संबंधी सुविधा प्राप्त की गई।

कुल 77462 मतदान केन्द्रों में 10,591 में मतदाताओं की सुविधा हेतु वेंटिग रुम या शमियाना की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

अनुग्रह अनुदान से संबंधित मामले

निर्वाचन ड्यूटी में मृत हुए मतदान कर्मियों के लिए विभाग शोक संवेदना व्यक्त करता है। ऐसे मतदान कार्मिकों के अनुग्रह अनुदान से संबंधित मामलों को विभाग में प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित कर दिया जायेगा। अभी तक प्राप्त प्रांरभिक सूचना के आधार पर राज्य मुख्यालय में अनुग्रह अनुदान से संबंधित कुल 44 मामले प्राप्त हुए है जिनमें से 19 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है एवं अन्य मामले प्रक्रियाधीन है जिन्हें यथाशीघ्र ही निष्पादित कर दिया जायेगा।

मतदान कर्मियों के दिखाया अदम्य साहस और धैर्य

इस लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में चुनाव संपन्न कराने में मतदान कर्मियों के अदम्य साहस और धैर्य के भी उदाहरण कई बार सामने आए। बिहार में तीसरे चरण के मतदान में सुपौल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में सरायगढ़, मरौना एवं निर्मली प्रखंड में 35 मतदान केन्द्र ऐसे थे जो कोसी नदी के तटबंधों के मध्य में है और जहां पहुंचने के लिए कोसी नदी को पार करना पड़ता है। इन्हीं में से सुपौल विधानसभा के बूथ संख्या 196,197,198,199 एवं 105 मतदान केन्द्र ऐसे भी हैं, जिन्हें पार करने के लिए कोसी नदी को दो बार पार करना पड़ता है, जिसमें एक कोसी की मुख्य धारा को पार करना होता है।

मतदान केन्द्रों पर जाते मतदान दल तथा सुरक्षा कर्मी–

मतदान केन्द्रों पर फंसे मतदान कर्मी एवं सुरक्षा बल–

मतदान कर्मियों को सुरक्षित वापस लाते जिलाधिकारी, सुपौल तथा पुलिस अधीक्षक, सुपौल–

Figure 1- मतदान केन्द्र कर्मियों का रेस्कूय कर वापिस लाते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी सुपौल।

तीसरे चरण के मतदान की समाप्ति के पश्चात मतदान दल इन 5 मतदान केन्द्रों से वापसी की तैयारी कर रहा था और नदी की पहली धारा को पार करने के लिए नावों पर मतदान सामग्री के साथ सवार होकर धारा के बीच में पहुंचा ही था कि तभी तेज आंधी–तूफान ने नाव की दिशा को भटका दिया और नाव के पलटने व नदी में रास्ता भटकने की समस्या सामने आई।

ऐसे में इन पांच मतदान केन्द्रों के दलों में से तीन ने कोसी नदी की दोनों धाराओं के बीच में बने निर्जन टापू में उतरने का निर्णय लिया ताकि मतदान सामग्री की सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। चूंकि ये दल नदी के तटबंध वाले छोर से दूर था ऐसे में वापिस जाना खतरनाक हो सकता था जबकि अन्य नावों में सवार दो अन्य मतदान दलों ने नदी के किनारे की ओर जाने का

निर्णय लिया। उधर दूसरी ओर जिला मुख्यालय में इन पांच मतदान दलों के वापस न आने पर इनकी खोजबीन शुरु की, परंतु नदी की धाराओं के बीच द्वीप में होने के कारण इनसे संपर्क हो पाना संभव नहीं था। वहीं भौतिक
रुप से इनकी उपस्थिति की जानकारी भी प्राप्त नहीं हो पा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–जिला पदाधिकारी, सुपौल एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा टीम गठिन कर संबंधित मतदान दलों की खोजबीन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर प्रांरभ किया गया। काफी घंटो बाद सुबह की पहली किरण के साथ मतदान दल ने नदी की धारा सही तरीके से ज्ञात होने पर चलने का निर्णय लिया तभी जिला की रेस्कयू दल ने मतदान दलों को खोज लिया। रेस्कयू टीम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, स्थानीय प्रशासनिक एवं पुलिस बल शामिल था। मतदान दल सकुशल था, लेकिन मतदान दल के कर्मियों ने बताया कि नदी की मुख्य धारा को पार करते समय तूफान आने पर काफी डर लग रहा था और जब मतदान दल ने नदी की दो धाराओं के बीच बने द्वीप में रुकने का निर्णय लिया तो इस बात का डर भी सताता रहा कि कही नदी का जलस्तर रात में ही बढ़ न जाये जिसकी वजह से द्वीप डूब जाये। ऐसे में मतदान सामग्री के साथ मतदान दल को भी जानोमाल का खतरा हो सकता था। परंतु सूझबूझ और उचित निर्णय ने अचानक आये तूफान से मतदान दल को सकुशल वापिस जिला मुख्यालय तक पहुंचा दिया।

अंत में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 आम मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी, मतदान कर्मियों, सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–जिला पदाधिकारी एवं उनकी जिला स्तरीय प्रशासनिक टीम के पदाधिकारी एवं कर्मी, अन्य सहयोगी विभाग यथा बिहार पुलिस, होमगार्ड, केन्द्रिय पुलिस बल, राज्य का स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, जीविका, परिवहन विभाग एवं राज्य के अन्य विभाग, पोस्टल डिपार्टमेंट, कॉम्फेड, सभी सार्वजनिक बैंक एवं उनके पदाधिकारी तथा कर्मी, बिहार स्थित केन्द्र व राज्य सरकार के उपक्रम तथा उनके कर्मी, राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, मीडिया प्रतिनिधियो, सिविल सोसाइटी संगठनों एवं सभी सहभागी पक्षों के आपसी समन्वय एवं सहयोग से शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। इसके लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार सभी का आभार व्यक्त करते है।

चुनाव का पर्व
DESH KA GARV
LOK SABHA ELECTION 2024